हमारा दून

भाजयुमों का डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन

देहरादून। **संवाददाता**

पुराने राशनकार्डो पर राशन नही मिलने के विरोध में बुधवार को भाजयुमों कार्यकर्ताओ ने जिलाधिकारी कार्यालय पर कटोरी–थाली लेकर प्रदर्शन किया। उन्होने ज्ञापन देकर इस दिशा में उचित कार्यवाही की मांग की।

भाजयुमों के कार्यकर्ता सुबह डीएम कार्यलय पंहुचे और कटोरी–थाली के साथ प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि कभी पीले कभी खाद्य सुरक्षा राशन कार्ड के नाम पर जनता को सरकारी दुकानों से राशन नही मिल रहा है। विभागीय लापरवाही के चलते शहर के बचे हुए पीले राशन कार्ड/

पीले राशन कार्ड/ एपीएल कार्ड धारकों को नही दिया जा रहा है राशन

एपीएल कार्ड धारको को राशन नही दिया जा रहा है।इस संबंध में कईं बार जिला पूर्ति अधिकारी अवगत कराया जा चुका है किन्तु फिर भी इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे जनता में काफी रोष बना हुआ है।उन्होने डीएम से मांग करतें हुए कहा कि जनता को सस्ता राशन उपलब्ध कराया जाय,मलिन बस्तियों में खाद्य सुरक्षा के राशन बनवाने को अधिकारियों को निर्देशित किया जाये, जिला पूर्ति अधिकारी को तत्काल हटाया जाये

नारेबाजी करते भाजयुमो कार्यकर्ता।

जिससे जरूरतमंद लोगों की सुनवाई हो सके। प्रदर्शन करने वालों में सुरेश कुमार, राजकुमार तिवारी, गंगा सागर, भगत सिंह, सीता देवी, पोली कौर, नसीम अख्तर, सुमानी देवी, जानकी देवी, मीना देवी, सुमन, सुशीला, किरन, बबीता देवी आदि शामिल थें।

सार समाचार

आमरण अनशन जारी

देहरादून। अपनी पांच सूत्रीय मांगों के निस्तारण को लेकर पॉलिटेक्निक संविदा शिक्षकों का आमरण अनशन दूसरे भी जारी रखा।

परेड ग्राउण्ड स्थित धरना स्थल पर आमरण अनशन पर बैठे संविदा शिक्षकों ने अपने आंदोलन के तहत मंगलवार से आमरण अनशन शुरू कर दिया था, जो बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान वक्ताओं ने मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही। इस अवसर पर सर्वेश चौधरी, नंदकिशोर सती, नरेश पाठक, खगेन्द्र अवस्थी, श्वेता, दीपक, कविता भण्डारी, सिमरन बड़वाल, सब्बल सिंह आदि मौजूद थे।

आज तक भवन निर्माण के लिए नहीं मिला मुआवजा

देहरादून। पांडुकेश्वर, लामबगड़ व गोविंदघाट के 35 आपदा प्रभावितों को अभी तक भवन नहीं मिल पाए हैं। आपदा प्रभावित लगातार प्रशासन के चक्कर काट रहे हैं। ग्रामीणों की शिकायत के बाद एसडीएम ने तहसीलदार से लेटलतीफी पर स्पष्टीकरण मांगा।

जून 2013 में आई प्राकृतिक आपदा से पांडुकेश्वर, लामबगड़ व गोविंदघाट में व्यापक नुकसान पहुंचा था। हालांकि यहां के अधिकतर प्रभावितों को मुआवजे की राशि मिल चुकी है, लेकिन इन तीन गांवों के 35 प्रभावितों को आज तक भवन निर्माण के लिए मुआवजा नहीं मिल पाया है। असल में आपदा के बाद इन परिवारों को दो–दो लाख रुपये की राशि व फरवरी माह तक कमरे का किराया भी दिया गया। इन ग्रामीणों का कहना है कि अन्य प्रभावितों को भवन निर्माण के लिए पांच–पांच लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। जबकि उन्हें इस राशि से वंचित रखा गया है। इस संबंध में आपदा प्रभावित राजीव मेहता, दिनेश पंवार, भागवत पंवार, किशोर पंवार, अखिलेश पंवार आदि ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी जोशीमठ एके नौटियाल को शिकायती पत्र दिया है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद एसडीएम ने जोशीमठ के तहसीलदार से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है।

खाते में हर माह पीएफ राशि जमा कराना अनिवार्यः बिष्ट

विकासनगर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सेलाकुई में नियोक्ताओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें ईपीएफओ के क्षेत्रीय आयुक्त राजीव बिष्ट ने कहा कि संगठन ने प्रत्येक कर्मचारी का यूनिवर्सल खाता नंबर बना दिया है, जिसमें उसकी पूरी भविष्य निधि जमा होगी।

सेलाकुई के एक होटल में ईपीएफओ ने सभी कंपनी संचालकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इसमें नियोक्ताओं व कंपनी प्रबंधकों को अपने कर्मचारियों का पीएफ प्रति माह समय पर जमा करने को कहा गया। क्षेत्रीय आयुक्त राजीव बिष्ट ने कहा कि प्रत्येक नियोक्ता को अपने कर्मचारी के खाते में हर माह पीएफ की राशि जमा करानी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि संगठन ने प्रत्येक कर्मचारी के लिए एक यूनिवर्सल खाता संख्या बनाया है, जिसमें कर्मचारी की पूरे सेवाकाल की भविष्य निधि जमा होगी। इस दौरान कर्मचारी चाहे अपना संस्थान बदल दे, लेकिन भविष्य निधि एक ही खाते में जमा होगी। साथ ही जोड़ा कि पारदर्शिता के लिए कर्मचारी अपने खाता संख्या को चेक कर यह पता कर सकता है कि नियोक्ता की ओर से भविष्य निधि की पूरी धनराशि जमा की जा रही है या नहीं।

हर्षोल्लास के साथ मनाया तीजोत्सव

देहरादून। महिलाओं ने बुधवार को हर्षोउल्लास के साथ तीजोत्सव मनाया। इस मौके पर सुहागिन महिलाओं के साथ ही लड़कियों ने भी मंदिरों और घर में शिव–पार्वती की पूजा अर्चना कर परिवार की खुशहाली की कामना की। इस मौके पर महिलाओं ने झूला झूलकर एक– दूसरे को तीज की शुभकामनाएं भी दी।

हरियाली तीज के लिए आज महिलाएं दुल्हन की तरह सजधज कर तैयार हुईं। इसके बाद सास ने बहू हो सिंधरा दिया। इसके बाद सबने मिलकर शिव–पार्वती की पूजा अर्चना की। घर में स्वादिष्ट पकवान बनाए और खूब मौज–मस्ती की। साथ ही आज भी पलटन बाजार में बड़ी संख्या में महिलाओं ने मेहंदी लगाई। जबकि तीज के खास मौके पर सजने–संवरने के लिए ब्यूटी पार्लरों मे खासा रौनक रही। एडवांस बुकिंग वाली महिलाओं का तो नंबर पार्लर में आराम से आ गया, लेकिन जो आज ही विशेष तौर पर ब्यूटी पार्लर पहुंची उन्हें समय नहीं मिलने के कारण निराश लौटना पड़ा।

स्थानीय स्तर पर बढ़ाये जाए रोजगार के अवसर

देहरादून। **संवाददाता**

स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढायें जायं। वन पंचायतों को मजबूत करने और रोजगार के नये अवसर सृजित करने के लिए 700 करोड रूपये की जाइका योजना शुरू की जा रही है। 1200 करोड रूपये की वाटर शेड मैनेजमेंट योजना में भी स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही नाबार्ड की मदद से राज्य के विभिन्न हिस्सों में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां लगाई जायेंगी। अपर मुख्य सचिव राकेश शर्मा बुधवार को सचिवालय में हिमोत्थान परियोजना के राज्य स्तरीय मानिटरिंग कमेटी की अध्यक्षता कर रहे थे।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा संचालित इस परियोजना के माध्यम से पेयजल, स्वच्छता, आजीविका,

700 करोड़ से शुरू होगी जाइका योजना

पुनर्निर्माण, कृषि, बागवानी आदि क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के साथ डवटेल कर कार्य करना चाहिए। बैठक में बताया गया कि केन्द्रीय हिमालय क्षेत्र में हिमोत्थान परियोजना एक लाख घरों के जीवन स्तर में सुधार के लिए कार्य कर रही है। 10 जनपदों के 56 विकास खंडों में योजना चलाई जा रही है। उपज बढ़ाने के लिए चार जनपदों के 32 गांवों को लिया गया है। इससे 3500 परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। 15 हेक्टेयर में 300 किसान उभल्शिील गेंहू की खेती कर रहे हैं। 18 हैक्टेयर में 317 किसान धान की खेती कर रहे हैं। बताया गया कि उत्तराखंड आर्गनिक बोर्ड के सहयोग से 07 जनपदों के 14 ब्लाकों में आर्गनिक खेती की जा रही है। इससे 18000 परिवारों को लाभ मिल रहा है। महिला डेयरी का 4.36 करोड़ रूपये टर्न ओवर है। इसमें से 3.38 करोड़ रूपये का भुगतान किसानों को किया गया है। 08 जनपदों के 20 ब्लाकों में 1300 गांवों में 'गांव चलो अभियान' चलाया जा रहा है। इसे 1200 स्वयं सहायता समूह, 02 महिला फेडेरेशन, 10 फर्म और 10 स्वयंसेवी संस्थाएं हैं। इसके तहत मार्च 2014 तक 257,922 किग्रा चाय की बिक्री की गई है। प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में चमोली जनपद के घाट, नैनीताल के रामगढ़ और बेताल घाट और बागेश्वर में कार्य किया जा रहा है। बैठक में सचिव ग्राम्य विकास विनोद फोनिया, आइफेड के परियोजना निदेशक विजय कुमार, हिमोत्थान के अध्यक्ष बीके जोशी, पाइका के परियोजना निदेशक अनूप मलिक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

समर्थकों संग बहुगुणा ने की हरीश से मुलाकात

देहरादून। **संवाददाता**

विधायक समर्थको को सरकार में एडजस्ट कराने के साथ ही कई बिन्दुओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने मुख्यमंत्री हरीश रावत से मुलाकात की।

पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा के नेतृत्व में उनके समर्थक विधायक व मंत्री बीजापुर गेस्ट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री हरीश रावत से मुलाकात की। बंद कमरे में हुई इस बैठक में किन मुददों पर मंथन हुआ यह तो पता नहीं चल पाया लेकिन सूत्र जो बता रहे है, उसके मुताबिक मुलाकात के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री बहुगुणा ने श्री रावत से जहां मौजूदा मंत्रीमंडल में उनके दो विधायको सुबोध उनियाल व शैलेन्द्र मोहन सिंघल को जगह देने की मांग की, वहीं राज्यसभा सीट की भी मांग की। सूत्रों का कहना है कि प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर भी पूर्व मुख्यमंत्री ने उनके समर्थकों में से किसी को बैठाये जाने की

बहुगुणा ने सीएम से कई मुद्दों पर की चर्चा

अप्रत्यक्ष रूप से वकालत की। इसके अलावा उनके द्वारा कई अन्य मामलों को भी जोरदार ढंग से मुख्यमंत्री के सामने रखा। बैठक के बाद पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने पत्रकारो से अनौपचारिक बातचीत के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री से आपदा राहत, पुनर्वास सहित प्रदेश के विकास से जुड़े मुद्दो पर चर्चा की गयी। इस दौरान उन्होंने किसी भी तरह के विवादास्पद मुद्दो से बचने की कोशिश की। विदित हो कि मुख्यमंत्री पद से हटाये जाने के बाद से हासिये पर चले गये विजय बहुगुणा तथा उनके गुट के विधायक सरकार में एडजस्ट करने सहित कई मुद्दो को लेकर मौजूदा मुख्यमंत्री पर दवाब बनाये हुए है। इस सम्बन्ध में उनके द्वारा कांग्रेस हाईकमान से भी मुलाकात की जा चुकी है, लेकिन उनके मांगो का फिलहाल कोई समाधान नहीं हो पाया है।

बजरंग दल ने निकाली यूपी सरकार की शव यात्रा

देहरादून। **संवाददाता**

सहारनपुर में हिंसा को लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार यूपी सरकार की शव यात्रा निकालकर घंटाघर पर प्रदर्शन किया। उन्होने राष्ट्रपति से यूपी सरकार को बर्खास्त करने की मांग की।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बजरंग दल के कार्यकर्ता गांधी पार्क में एकत्र हुए, जहां से उन्होंने जोरदार नारेबाजी के बीच यूपी की सपा सरकार की शव यात्रा निकाली, जोकि घंटाघर पंहुची। यहां बजरंग दल के कार्यकर्ताओ ने यूपी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया तथा सपा सरकार के पुतले रूपी शव को आग के हवालें कर दिया। इससे पूर्व आयोजित सभा में प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सहारनपुर जैसे शान्ति प्रिय इलाके में जो सांप्रदायिक हिंसा भड़की हैं। उसके पीछे तुच्छ मानसिकता के मुलायम

राष्ट्रपति से अखिलेश सरकार को बर्खास्त करने की मांग की

सिंह यादव उनके पुत्र अखिलेश यादव व आजम खान जैसे नेताओं का हाथ है।उन्होने कहा कि ऐसे नेता देश की शान्ति को भंग करना चाह रहे है।जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही किया जाएगा। दल इनके मंसूबों पूरा नही होने दिया जाएगा। उन्होने कहा कि आखिर कब तक देश सांप्रदायिकता की आग में झूलसता रहेगा। उन्होने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि यूपी में सांप्रदायिक हिंसा नही रोकी गई तो दल पूरे देश में आंदोलन चलाएगा। उन्होने यूपी की सपा सरकार को बर्खास्त करने की मांग भी की। बजरंग दल के महानगर संयोजक अमित तोमर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बजरंग दल के अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे।

यूपी सरकार का पुतला फूंकते बजरंग दल के कार्यकर्ता।

नियामक आयोग ने कसा ऊर्जा निगम पर शिकंजा

देहरादून। उपभोक्ता सुविधाओं में घोर लापरवाही बरतने वाले ऊर्जा निगम के अफसरों के खिलाफ उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग (यूईआरसी) ने अब एक और मामले में शिकंजा कसा है। यूईआरसी ने निगम अफसरों के उत्तराखंड विद्युत शिकायत निवारण मंच (सीजीआरएफ) को समय पर जानकारी न देने पर सख्त रुख अपनाते हुए जुर्माने की चेतावनी दी है।

सीजीआरएफ को बिजली उपभोक्ताओं के केसों की सुनवाई 60 दिनों के भीतर करनी होती है, लेकिन निगम अफसरों के समय से जवाब न देने से केसों के निस्तारण में देरी हो रही है। सीजीआरएफ ने यूईआरसी को भेजी रिपोर्ट में देरी के लिए निगम अफसरों की लेटलतीफी को जिम्मेदार ठहराया है। यूईआरसी ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए निगम प्रबंधन को सख्त चेतावनी दी है। दो दिन पहले निगम प्रबंधन को भेजे पत्र में यूईआरसी के सचिव नीरज सती ने कहा कि निगम अफसर सीजीआरएफ के मांगी गई रिपोर्ट में देरी न करें, क्योंकि इससे केसों के निस्तारण में देरी होती है। फील्ड अफसरों को सचेत किया जाए कि वह समय से रिपोर्ट भेजें।

पुल महंगे जान सस्ती

देहरादून। नाल्ड कठूड़ पट्टी के पांच गांवों के ग्रामीणों को फिलहाल जान जोखिम में डालकर ही भागीरथी नदी की उफनती धाराएं पार करनी पड़ेगी। बीते साल आपदा के दौरान पैदल आवाजाही के झूला पुल बहने के बाद ये गांव अलग थलग पड़े है। सालभर बीतने के बाद भी इन गांवों को पुलों से जोड़ने की सरकार की भी कोई योजना नहीं है।

नाल्ड कठूड़ पट्टी के डिडसारी, बायणा, लौंथ्रू, स्यावा, सालू के ग्रामीणों को फिलहाल अस्थाई व्यवस्थाओं के भरोसे ही भागीरथी नदी पार करनी पड़ेगी। वर्ष 2013 में आई भीषण बाढ़ में इन गांवों को जोड़ने वाले दो झूला पुल भागीरथी की उफनती धाराओं में बह गए थे। इसके बाद ये पांचों गांव अलग थलग पड़ गए थे। स्यावा, सालू को जोड़ने के लिए लोनिवि ने यहां ट्राली लगाई

सालभर बीतने के बाद भी गांवों को पुलों से जोड़ने की सरकार की नहीं है कोई योजना

थी। रस्सियों के सहारे खींची जाने वाली इस ट्राली में ग्रामीणों ने पसीना तो बहाया, इसके तारों में उलझ कर कई लोगों को अपनी उंगलियां भी गवां दीं। अब इस ट्राली का एक हिस्सा धंसने लगा है जिससे यहां लगातार दुर्घटना की संभावना बनी हुई है।

दूसरी ओर गांव को फिर से जोड़ने के लिए फिलहाल पुल निर्माण की कोई योजना शासन स्तर पर नहीं बनी है। लिहाजा आने वाले वर्षो में भी ग्रामीणों को

इसी ट्राली से जान जोखिम में डालकर झूलते हुए गांव से सड़क तक पहुंचना पड़ेगा।

इसके अलावा डिडसारी, बायणा, लौंथ्रू के ग्रामीणों को सालभर बाद आवाजाही को ट्राली भी नसीब नहीं हो सकी है। ग्रामीणों को काफी लंबा चक्कर काटकर मनेरी भाली परियोजना के बांध के उपर से आवाजाही करनी पड़ रही है।

इन पांचों गांवों को पुलों से जोड़ने के लिए फिलहाल प्रस्ताव तो गए है लेकिन स्वीकृति नहीं मिल सकी है। जिला प्रशासन लगातार शासन से यहां पुलों के निर्माण की मांग कर रहा है।

सी. रविशंकर, जिलाधिकारी उत्तरकाशी।

स्थानीय सब्जियों से गुलजार बाजार

देहरादून। एक ओर देश भर में टमाटर की कीमतों में आग लगी हुई हैं वहीं उत्तरकाशी में टमाटर खूब सस्ता बिक रहा है। स्थानीय सब्जियों की बाजार में आपूर्ति शुरू होने के साथ ही आसमान छूती सब्जियों के दामों में भी गिरावट आने लगी है।

मैदानों से आने वाले खीरे जहां 60 रुपये किलो तक बिक रहे थे, वहीं अब स्थानीय ककड़ी बाजार में अपनी धमक दिखा रही है। सौरा, सारी, स्यावा समेत केलसू क्षेत्र में उगाई गई ककड़ी की बाजार में दस्तक के साथ ही महंगे खीरे का दम निकलने लगा है। स्थानीय स्वादिष्ट ककड़ी 30 से 40 रुपये किलो बिक रही है। गौरतलब है कि बढ़ती मंहगाई से पूरे साल भर लोगों की थालियों से सब्जियों की मात्रा लगातार घटती रहती है। लेकिन मानसून के दौरान स्थानीय स्तर पर उगने वाली सब्जियों की

आसमान छूती सब्जियों के दामों में आने लगी है गिरावट

बाजार में आपूर्ति शुरू होने के साथ ही मैदानी मंडियों से आने वाले सब्जियों की कीमतों पर भी लगाम लगना शुरू हो जाता है। इन दिनों भागीरथी घाटी समेत बाडागड्डी, केलसू, साल्ड, कंवा, भराणगांव, बढ़ेथी समेत नगर क्षेत्र से सटे क्षेत्रों भिंडी, कद्दू, पत्तागोभी, बैंगन, भट्टा, मूली, राई, टमाटर, शिमला मिर्च, टिंडे, ककड़ी की आपूर्ति होनी शुरू हो गई है। नगर क्षेत्र के नजदीकी इलाकों में उगने वाली इन सब्जियों की कीमत भी मैदान से आने वाली सब्जियों की कीमत से काफी कम है। कम लागत के चलते नियंत्रित कीमतों के चलते ही मैदानों में आग बरस रहा टमाटर यहां बड़ी मात्रा में और सस्ते दामों पर उपलब्ध हो रहा है।

बंद सड़कों ने रोकी आलू की राह

जिले के भागीरथी घाटी में आलू की फसल बाजार आने को तैयार है। लेकिन बार बार बंद हो रहे राजमार्ग ने फिलहाल आलू की फसल की राह रोके रखी है। इससे बाजार में अभी भी आलू की कीमत 25 से 30 रुपये प्रति किलो तक बनी हुई है। भागीरथी घाटी से आलू आने के बाद यह कीमत 10 से 15 रुपये प्रति किलो पर आ जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा पेज थ्री प्रेस,जाखन जोहड़ी रोड,
पो.ओ. राजपुर, देहरादून से मुद्रित व प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०-
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@yahoo.co.in
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।